**भारत सरकार**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न सं. 7**

**30.11.2015 को उत्‍तर के लिए**

**उत्‍सर्जन कम करने के संबंध में राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित अभीष्‍ट योगदान**

**\*7. श्री एस.थंगावेलु :**

क्या **पर्यावरण, वन** और **जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्‍या यह सच है कि भारत ने 1 अक्‍तूबर, 2015 को बॉन में उत्‍सर्जन कम करने के संबंध में राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित अभीष्‍ट योगदान की जानकारी प्रस्‍तुत की है ;

(ख) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है ;

(ग) क्‍या यह भी सच है कि भारत ने जलवायु परिवर्तन के समाधान का हिस्‍सा बनने की इच्‍छा व्‍यक्‍त की है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है ?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल रखा गया है ।

\*\*\*\*\*\*\*

**"उत्‍सर्जन कम करने के संबंध में राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित अभीष्‍ट योगदान" के बारे में श्री एस.थंगावेलु द्वारा पूछे गए राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न सं. 7 के भाग (क) से (घ)** **के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण ।**

**(क) और** (ख) जी हां । भारत ने 2 अक्‍तूबर, 2015 को अपने राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित अभीष्‍ट योगदान (आईएनडीसी) की जानकारी प्रस्‍तुत की है । भारत के राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित योगदान में सभी तत्‍वों अर्थात उपशमन, अनुकूलन, वित्‍त पोषण, प्रौद्योगिकी हस्‍तांतरण और क्षमता निर्माण पर ज़ोर दिया गया है और इसमें (i) अपनी जीडीपी की कार्बन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्‍तर से कम करके वर्ष 2030 तक 33 से 35 प्रतिशत करना (ii) गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत हिस्‍सेदारी को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 40% करना (iii) CO2 के बराबर 2.5 से 3 बिलियन टन अतिरिक्‍त कार्बन सिंक सृजित करने के लिए वनीकरण प्रयासों को तेज करना (iv) कृषि, जल संसाधन, वानिकी, स्‍वास्‍थ्‍य और आपदा प्रबंधन सहित विभिन्‍न संवेदनशील क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों में निवेश को बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन अनुकूलन की दिशा में ठोस प्रयास करना (v) कार्बन उत्‍सर्जन को कम करने के लिए नवीन ऊर्जा दक्ष प्रौद्यागिकियों और अन्‍य प्रौद्योगिकियों को अपनाकर और लागू करके क्षमता निर्माण करना (vi) विभिन्‍न क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने संबंधी योजनाओं के क्रियान्‍वयन के लिए संसाधन जुटाना (vii) भारतीय परंपराओं और मूल्‍यों पर आधारित सतत जीवन शैली को अपनाना और बढ़ावा देना शामिल हैं ।

(ग) और (घ) भारत, जलवायु परिवर्तन संबंधी संयुक्‍त राष्‍ट्र कार्य-ढ़ांचा सम्‍मेलन (यूएनएफसीसीसी) का एक पक्षकार है, जिसका उद्देश्‍य जलवायु परिवर्तन से उत्‍पन्‍न चुनौतियों का निराकरण करना है । राष्‍ट्रीय स्‍तर पर निर्धारित अभीष्‍ट योगदान में, भारत की विकास-आकांक्षाओं को ध्‍यान में रखकर, जलवायु परिवर्तन के संबंध में भारत के अभीष्‍ट योगदान को परिलक्षित किया गया है ।

\*\*\*\*\*\*\*